LION AND MOUSE STORY PDF HINDI AND ENGLISH

एक समय की बात है एक जंगल में एक शेर राज करता था। एक दिन वह दोपहर के समय एक शिकार को खाने के बाद एक पेड़ के नीचे सो रहा था। तभी वहां पर एक चूहा आया। जब चूहे ने शेर को सोते हुए देखा तो उसको मस्ती सूझी और वह शेर के ऊपर चढ़कर कूदने लगा। जिससे चूहे को बहुत मजा आ रहा था।

चूहे की इस हरकत से शेर जग गया और वह गुस्से में दहाड़ कर उठा। उसने अपने एक पंजे से चूहे को पकड़ लिया। चूहे को पता लग चुका था कि उसकी वजह से शेर की नींद टूट चुकी है और वह बहुत गुस्से में हैं। इसलिए चूहे ने अपने प्राणों की रक्षा के लिए शेर से भीख मांगी और कहां की मुझे छोड़ दो। जब भी आपको जरूरत होगी तो मेरे से जो होगा मैं आपकी मदद करूंगा।

शेर चूहे की यह बात सुनकर हंसने लगा और कहां की तुम छोटे से चूहे मेरी क्या मदद करोगे। शेर ने कहा कि मैंने अभी शिकार खाया है। जिससे मेरा पेट भरा हुआ है इसलिए मैं तुम्हें जीवनदान देता हूं। यह कहकर शेर ने चूहे को छोड़ दिया। चूहा भी शेर को धन्यवाद कहकर वहां से चला गया।

कुछ दिनों के बाद शेर जब जंगल में घूम रहा था तो कुछ शिकारी शेर का शिकार करने के लिए जंगल में आए। उन्होंने शेर को पकड़ने के लिए एक जाल बिछाया। शेर शिकारियों के द्वारा बिछाए गए जाल में फस गया। शिकारी शेर को जाल में फंसा देखकर उसको ले जाने के लिए गांव में पिंजरे वाली गाड़ी लेने के लिए गए।

शेर जाल में फंसे हुए बहुत जोर जोर से दहाड़ने लगा। शेर की दहाड़ उसी चूहे ने और जंगल की दूसरे जानवरों ने भी सुनी। चूहे ने जंगल के दूसरे जानवरों से शेर की मदद करने के लिए चलने को कहा। जब वह शेर के पास पहुंचे तो शेर को जाल में फंसा हुआ देखा।

उस जाल से शेर को केवल चूहा ही मुक्त करा सकता था। चूहे ने उस जाल के ऊपर चढ़कर अपने तेज़ दांतो से जाल को जल्दी से काटना शुरू कर दिया। कुछ समय में उसने जाल को काट दिया। जिससे शेर जाल से मुक्त हो गया। जाल से मुक्त होने के बाद शेर ने चूहे को धन्यवाद किया।

इस पर चूहे ने शेर को कहा कि मैंने आपको उस दिन कहा था कि जब भी आपको मदद की जरूरत पड़ेगी। मैं आपकी जो हो सकेगा मदद करूंगा। लेकिन आपने मेरी बात को मजाक में लिया था। शेर को चूहे की वह बात याद आई और वह अपने कहे पर शर्मिंदा हुआ।

इसके बाद शेर ने चूहे से कहा कि आज के बाद तुम मेरे दोस्त हो। तुमको जब भी किसी सहायता की जरूरत हो तो तुम मुझको कह सकते हो। उसके बाद चूहा ठीक है कहकर वहां से जाने लगा तो शेर ने कहा कि क्या तुम आज मेरी पीठ पर नहीं कूदना चाहोगे।

चूहे ने जब शेर की यह बात सुनी तो वह खुशी से शेर की पीठ पर चढ़कर कूदने लगा। वह शेर की पीठ पर कूद ही रहा था की शिकारी शेर को लेने के लिए जंगल में पिंजरे वाली गाड़ी के साथ पहुंच गए। जब वह शेर के पास पहुंचे तो उन्होंने शेर को जाल से मुक्त पाया। जिससे वह बहुत डर गए। इसके बाद शेर ने दहाड़ कर शिकारियों को वहां से भगा दिया।

Moral of the Story: इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें किसी को भी कम नहीं आंकना चाहिए। क्या पता कब किस वक्त में कौन हमारे काम आ जाये। जिस तरह शेर ने चूहे को छोटा समझ कर उसका मजाक उड़ाया लेकिन बाद में उसी छोटे चूहे ने शेर की जान बचाई।

LION AND MOUSE STORY IN ENGLISH

Once upon a time a lion ruled in a forest. One day he was sleeping under a tree after eating a game in the afternoon. Then a mouse came there. When the mouse saw the lion sleeping, it felt amused and climbed on top of the lion and joined it. Due to which the rat was enjoying a lot.

This action of the rat woke up the lion and he roared angrily and picked it up. He caught the mouse with one of his graphs. The mouse had come to know that the lion's sleep was disturbed because of him and he was very angry. That's why the mouse said that the lion is more responsible than the lion for saving his life and said leave me. Whenever you need me, I will help you with whatever I can.

The lion started laughing after hearing this and from where will you help me with the little mouse. The lion said that I have just eaten the prey. That's why I give life to God, because of whom my stomach is born. The lion left this longitude. The mouse also thanked the lion and left the country.

After a few days, when the lion was roaming in the forest, some hunters came to the forest to hunt the lion. They set a trap to catch the lion. The lions got caught in the trap laid by the hunters. The hunters, seeing the lion trapped in the net, went to get a cart lying in the village to take it away.

The lions started roaring very loudly while tied in the net. The roar of the lion was heard by the same mouse and also by other animals of the forest. The mice asked the other animals of the forest to help the lion. When he reached near the lion, he saw the lion trapped in the trap.

Only the mouse could free the lion from that trap. The rat started cutting the net quickly with its sharp teeth. In no time he cut the net. Due to which the lion got free from the trap. After being freed from the trap, the lion thanked the mouse.

On this the mouse said to the lion that I told you that day that whenever you need help. I won't be able to help you. But you took my point as a joke. The lion remembered what the mouse had said and was ashamed of what he had said.

After this the lion said to the mouse that from today onwards you are my friend. You can call me whenever you need any help. After that the mouse started leaving the country, then the lion said that would you not like to slap me on my back today.

When the mouse heard this talk of the lion, it happily stuck on the doorpost of the lion. As he was jumping on the lion's back, the hunter reached the forest with a cart to catch the lion. When he came near the lion, he found the lion free from the trap. He got very scared. After this, the lion roared and left the hunters from there.

Moral of the Story: This story teaches us that we should not underestimate anyone. Who knows when and who will be of use to us in our sleep. The way the lion made a small joke of the mouse, but later the same little mouse saved the lion's life.